>

Title: The Minister of Parliamentary Affairs made a statement regarding Government Business for the week commencing the 19th November, 2007 and submissions made by members.

MR. SPEAKER: Item No. 11. He is just announcing the statement regarding Government Business.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business during the week commencing today, the 19th of November, 2007 will consist of:-

1. Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.
2. Discussion on the Statutory Resolution seeking disapproval of the National Capital Territory of Delhi Laws (Special Provisions) Second Ordinance, 2007 and consideration and passing of the National Capital Territory of Delhi Laws (Special Provisions) Bill, 2007.
3. Discussion on the Statutory Resolution seeking disapproval of the Payment of Bonus (Amendment) Ordinance, 2007 and consideration and passing of the Payment of Bonus (Amendment) Bill, 2007.
4. Consideration and passing of the Tyre Corporation of India Limited (Disinvestment of Ownership) Bill, 2007.
5. Consideration and passing of the Indian Boilers (Amendment) Bill, 1994, after it is passed by Rajya Sabha.
6. Consideration and passing of the National Jute Board Bill, 2006.

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: According to the Rules, hon. Members should give notice or try to make a request for raising their issues.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am coming to you after three or four Members have made their submissions.

...(*Interruptions*)

DR. K.S. MANOJ (ALLEPPEY): Sir, the following items may be included in the next week's List of Business –

1. Need to bring a legislation to constitute National Farmers Debt Relief Commission to deal with the agrarian crises in the country.
2. Need to bring a legislation to ensure merit in admission, reservation to backward communities to meet social justice and to prevent financial exploitation by the self-financing professional colleges in the country. ...(*Interruptions*)

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पिछले डेढ़ वर्ष में दूध की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी हो चुकी है। पिछले महीने एक बार फिर वृद्धि की गई और अगली जनवरी में एक बार फिर वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। क्या कारण है कि सरकारी क्षेत्र में काम करने वाली दूध की डेयरियां कीमत बढ़ाते समय समाज के विभिन्न तथा विशेष कर पिछड़े वर्गों के हितों का ध्यान नहीं रखतीं?

देश के 80 प्रतिशत लोगों की रोज की कमाई मात्र 20 रुपए है। ऐसे में एक परिवार एक लीटर दूध में कितने बच्चों का पोषण कर लेगा और आवश्यकता पड़ने पर कितनी बार दिन में चाय पी लेगा? दूध के दामों में बढ़ोतरी करते समय सरकार और सरकारी डेयरियों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए अन्यथा समाज के कमजोर वर्ग कुपोषण का शिकार होंगे। कम से कम दूध जैसे पेय पदार्थों की कीमतों को बढ़ने से रोकना चाहिए।[rep2]

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Girdhari Lal Bhargava

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Dr. Satya Narayan Jatiya

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Both these submissions are to be treated as laid on the Table of the House.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर)[1] : अध्यक्ष महोदय, संसद की आगामी सप्ताह की कार्य सूची में निम्न विषयों को सम्मिलित किया जाए :-

1. राजस्थान विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जाए, क्योंकि भूमि, भवन एवं योग्य शिक्षक मौजूद हैं।

2. राजस्थान जयपुर में स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दर्जा दिया जाए।

डॉ. सत्यनारायण जटिया (उज्जैन)1: महोदय, कृपया इस सप्ताह की कार्य सूची में निम्नलिखित दो विषय सम्मिलित करें :-

1. देश के विकास के लिए आवश्यक बिजली, सड़क और पानी की आधारभूत प्राथमिकताओं को विकसित करने के प्रभावी उपाय किए जाएं तथा इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए पंचवर्षीय योजना में लक्ष्य निर्धारित कर वार्षिक कार्य -योजना को सुनिश्चित किया जाए।

2. कृषि, गांव और गरीब किसानों की समृद्धि का आधार है। अतएव कृषि को उद्योग की तरह केन्द्र सरकार खाद, बिजली, सिंचाई की विशेष सहायता और अनुदान देकर कृषि को लाभकारी उद्योग बनाने की नीति और कार्यक्रम बनाए।

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, नन्दीग्राम का मामला पहले लिया जाए। उसके बाद कोई भी इश्यू लिया जा सकता है। वहां सैकड़ों हत्याएं हुई हैं। लोग मर रहे हैं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not before the House. Until I agree this is not before the House. I have not yet admitted the notice.

...(*Interruptions*)

12.11 hrs.